

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 608वीं बैठक दिनांक 06/12/2022 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य।
5. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य।
8. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

**1. Case No 8766/2021 Shri Ramesh Kumar Manshani, House No. 14/53, Fort Road, Dist. Rewa, MP Prior Environment Clearance for Limestone Quarry in an area of 3.114 ha. (23156 Tonne per annum) (Khasra No. 129, 130), Village - Baijnath, Tehsil - Huzur, Dist. Rewa (MP)**

This is case of Limestone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 129, 130), Village - Baijnath, Tehsil - Huzur, Dist. Rewa (MP) 3.114 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 528वीं दिनांक 23/11/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण आज सेक की 605वीं बैठक दिनांक 10/11/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। समिति को अवगत कराया गया कि पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने ई-मेल से प्राप्त पत्र दिनांक 09/11/22 के माध्यम से सूचित किया है कि उनकी संस्था का नेबिट एकीकरण होने के कारण वे 10/11/22 को नियत इस प्रस्तुतीकरण में उपस्थित नहीं सकते हैं। समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश कुमार मसानी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि पर्यावरण सलाहकार का एकीडेशन 01/11/22 को समाप्त हो गया है जिसके संदर्भ में पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने बताया कि पत्र क्रमांक 2593 दिनांक 29/11/22 के माध्यम से उनके एकीडेशन की वैधता दिनांक 28/2/23 तक बढ़ा दी गई है तथा संदर्भित पत्र प्रस्तुतीकरण में संलग्न किया गया है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान के पूर्वी दिशा में 50 मीटर पर पक्का रोड़ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि ग्राम सभा ठहराव प्रस्ताव में उल्लेखित है कि सड़क की सीमा से 50 मीटर छोड़कर शेष भूमि पर कार्य करने पर पंचायत को कोई आपत्ती नहीं है तथा उनके द्वारा रोड़ से 100 मीटर की दूरी तक नॉन माईनिंग जोन छोड़ा गया है तथा पुनरीक्षित सरफेस मेप प्रस्तुतीकरण में दिखाया गया है। इसी प्रकार खदान के पूर्व दिशा में 150 मीटर पर आबादी है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्व दिशा में रोड़ के कारण 50 मीटर का सेटबैक छोड़ा गया है, जिसको मिलाकर खनन स्थल से आबादी की दूरी 200 मीटर हो जाती है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को सुझाव दिया कि जो नॉन माईनिंग एरिया छोड़ा जा रहा है उसमें स्थानीय घांस एवं चारा प्रजाति के वृक्ष लगाकर उसे आल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड के रूप में विकसित किया जाये जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि यह प्रस्ताव प्रस्तुतीकरण के साथ संलग्न ई.एम.पी में शामिल किया गया है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र बीच से खुदा हुआ दिख रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह खदान 1984 में आवांटित हुई थी तथा 2012-13 से बंद है जिसका विवरण अनुमोदित खनन योजना में दर्ज हैं। वर्ष 1984 से 2012-13 के मध्य किये गये उत्पादन के संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया चूंकि यह खदान 5.0 हे. से कम है अतः वर्ष 2012-13 तक पर्यावरणीय अभिस्वीकृति के दायरे से बाहर थी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा ब्लास्टिंग से कम्पन एवं खनन से धूल की समस्या बावत् आपत्ति प्रस्तुत की थी, जिसके संदर्भ में उनके द्वारा बताया कि खनन हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर कलेक्टर ने सुझाव दिया था कि बैजनाथ स्कूल में 01 हेंड पम्प बच्चों के पानी पीने हेतु लगवाया जाये जो हमारे द्वारा मान्य किया गया तथा सी.ई.आर. में अन्य कार्यों के साथ-साथ सोलर लाईट लगाने का प्रस्ताव दिया गया है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का निम्नानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे हैं अथवा नहीं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता लाईम स्टोन – 23,156 टन प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 12.19 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 08.83 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
बैजनाथ गांव के सरकारी स्कूलों में जरूरतमंद बच्चों को अध्ययन सामग्री (जैसे स्कूल बैग, कम्पक्स सेट, नोटबुक आदि) का वितरण किया जायेगा।	15,000 / -
बैजनाथ गांव के ग्रामवासियों के लिये मौखिक स्वच्छता मधुमेह और रक्तचाप, जैसी बीमारियों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा एवं प्रमाणित डॉक्टरों के देखरेख में कुछ बुनियादी दवाई का वितरण किया जायेगा।	10,000 / -
ग्राम बैजनाथ में पशुओं के लिए स्वास्थ्य के लिये स्वास्थ्य जांच शिविर दवा वितरण एवं टीकाकरण का आयोजन कराया जायेगा।	10,000 / -
उज्ज्वला योजना के तहत ग्राम बैजनाथ खदान के श्रमिकों को सोलर कुकर/एलपीजी गैस सिलेंडर और की व्यवस्था कराई जायेगी।	25,000 / -
ग्राम बैजनाथ के शासकीय विद्यालय में एक हैंड पंप की स्थापना कराई जायेगी।	35,000 / -
ग्राम बैजनाथ के शासकीय विद्यालय में 1 सोलर सिस्टम की स्थापना कराई जायेगी।	20,000 / -
ग्राम बैजनाथ के तालाब का सौंदर्यीकरण लगभग 741 मी ESE दिशा में कराया जायेगा है।	35,000 / -
ग्राम बैजनाथ की सड़क का रखरखाव कराया जायेगा।	ई.एम.पी में शामिल
<b>योग</b>	<b>1,50,00</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3740 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन और नॉन माईनिंग जोन	शीशम, पीपल, कस्टार, करंज, सेमल, खमेर, नीम, चिरौल, बबूल आदि के बीज एवं अन्य उपलब्ध स्थानीय प्रजातियाँ।	1700
2.	शासकीय विद्यालय ग्राम बैजनाथ	अमलतास, नीम, कचनार, कदम्ब और सजावट पौधे इत्यादि।	40
3.	ग्राम बैजनाथ, मधेपुर व पगारा के ग्रामवासीयों में वितरण हेतु	बेल, इमली, अमरुद, बेर, आंवला, आम, सीताफल, मून्गा, और अन्य स्थानीय फलदार वृक्ष प्रजातियाँ।	1400

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

4.	ग्राम बैजनाथ के तालाब के सौंदर्यीकरण हेतु पेड़ लगाये जाएंगे।	पीपल, सेमल, खमेर, नीम, और बबूल इत्यादि।	130
5.	अप्रोच रोड के दोनों ओर पौधरोपण हेतु ) पौधों की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर (	बरगद, चिरोल, नीम, पीपल, कंरज, और अन्य स्थानीय निवासियों द्वारा सुझाई गई प्रजातियां।	470
कुल			3740

**2. Case No 9179/2022 M/s Shri Balaji Granite, Partner, Smt. Renu Singhal, 502, Satyam Residency Tower, Alkapuri Tirha, Dist. Gwalior, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.584 ha. (38475 Cum per annum) (Khasra No. 38/1, 51/Min-2k, 51/Min-2kha, 52/Min-2k, 52/Min-2kha, 52/1/Min-1), Village - Berja Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 38/1, 51/Min-2k, 51/Min-2kha, 52/Min-2k, 52/Min-2kha, 52/1/Min-1), Village - Berja Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP) 1.584 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 574वीं दिनांक 29/05/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण आज सेक की 605वीं बैठक दिनांक 10/11/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। समिति को अवगत कराया गया कि पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने ई-मेल से प्राप्त पत्र दिनांक 09/11/22 के माध्यम से सूचित किया है कि उनकी संस्था का नेबिट एकीडेशन होने के कारण वे 10/11/22 को नियत इस प्रस्तुतीकरण में उपस्थित नहीं सकते हैं। समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती रेनु सिंघल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि पर्यावरण सलाहकार का एकीडेशन 01/11/22 को समाप्त हो गया है जिसके संदर्भ में पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने बताया कि पत्र क्रमांक 2593 दिनांक

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

29/11/22 के माध्यम से उनके एकीडेशन की वैधता दिनांक 28/2/23 तक बढ़ा दी गई है तथा संदर्भित पत्र प्रस्तुतीकरण में संलग्न किया गया है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान शासकीय एवं निजी भूमि पर आवंटित है तथा खदान के उत्तर-पूर्वी दिशा में 390 मीटर पर आबादी है एवं खदान हेतु आवंटित क्षेत्र में से एक कच्चा रोड़ निकल रहा है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह कच्चा रोड़ आसपास के क्षेत्र में कार्यरत अन्य खदानों तक पहुंच मार्ग (हॉलेज रोड़) है चूंकि यह स्थल उनको आवंटित हो गया है, इसलिए उनके आवागमन हेतु उत्तर-पूर्वी दिशा में एक कच्चा रोड़ बनाया जा चुका है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 10 पेड़ लगे हैं, जिनमें से कोई भी पेड़ काटा जाना प्रस्तावित नहीं है एवं जिस क्षेत्र में पेड़ लगे हैं वहाँ 10 मीटर का सेटबैक प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा खेतों के खराब होने का मुद्दा उठाया था जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा खनन कार्य हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी, विंड ब्रेकिंग वॉल बनाई जायेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा । इसके अतिरिक्त सिद्धबाबा मंदिर का निर्माण, बकरी चरने हेतु चारागाह का विकास एवं वृक्षारोपण हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिसमें उनके द्वारा ग्राम बेरजा के सिद्ध बाबा मंदिर के परिसर में बोरिंग कराकर 500 लीटर पानी की टंकी की कराये जाने का प्रस्ताव सी.ई.आर. में शामिल किया गया तथा चारागाह का विकास एवं वृक्षारोपण संबंधी कार्य ई.एम.पी. में प्रस्तावित किया गया है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का निम्नानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे हैं अथवा नहीं। परियोजना परीक्षण में पाया गया कि इस खदान का विवरण नवीन अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्ज नहीं हैं, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 20/12/21 में उल्लेखित है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 38,475 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 13.36 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 05.33 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम बेरजा के सिद्ध बाबा मंदिर के परिसर में बोरिंग कराकर 500लीटर पानी की टंकी की स्थापना करवाई जायेगी।	1,00,000 /—
ईएमपी में वृक्षारोपण (फल और चारा देने वाले पौधों का वितरण) से संबंधित कार्य शामिल है।	
चराई भूमि विकास के लिए रु 50,000 ईएमपी में शामिल है।	
<b>योग</b>	1,00,000 /—

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1901 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	नीम, सिस्सू, करंज, सीताफल, चिरोल, आम, खमेर, जंगल जलेबी, अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	700
2.	परिवहन मार्ग तक (पौधों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सिस्सू, बरगद, कनकचंपा, पुत्रंजीव, कदम, अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	239
3.	ग्राम पारसेन के शासकीय विद्यालय	कदम्ब, अमलतास, अशोक, नीम, कचनार गुलमोहर इत्यादि।	25
4.	सिरोली ग्रामवासीयो में वितरण हेतु	मुनगा, नींबू, अमरुद, मौसम्मी, औषधीयुक्त प्रजातियाँ।	937
		<b>योग</b>	1901

**3. Case No 9203/2022 M/s Balaji Granite, Partner, Smt. Renu Singhal, 502, Satyam Residency Tower, Alkapuri Tirha, Dist. Gwalior, MP, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.024 ha. (21850 Cum per annum) (Khasra No. 49/1, 49/2, 50), Village - Berja, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 49/1, 49/2, 50), Village - Berja, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP) 1.024 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 577वीं दिनांक 11/06/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण आज सेक की 605वीं बैठक दिनांक 10/11/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। समिति को अवगत कराया गया कि पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने ई-मेल से प्राप्त पत्र दिनांक 09/11/22 के माध्यम से सूचित किया है कि उनकी संस्था का नेबिट एक्कीडेशन होने के कारण वे 10/11/22 को नियत इस प्रस्तुतीकरण में उपस्थित नहीं सकते हैं। समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती रेनु सिंघल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि पर्यावरण सलाहकार का एक्कीडेशन 01/11/22 को समाप्त हो गया है जिसके संदर्भ में पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. ने बताया कि पत्र क्रमांक 2593 दिनांक 29/11/22 के माध्यम से उनके एक्कीडेशन की वैधता दिनांक 28/2/23 तक बढ़ा दी गई है तथा संदर्भित पत्र प्रस्तुतीकरण में संलग्न किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान निजी भूमि पर आवंटित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान के अंदर 02 शेड स्थापित हैं, जिसमें संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह शेड पास में कार्यरत स्टोन केशर के हैं, जिनमें से खनन के दौरान एक शेड को पुनर्स्थापित किया जायेगा तथा एक का उपयोग हमारे द्वारा किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 18 पेड़ लगे हैं, जिनमें से 05 पेड़ (02 बबूल, 02 पलाश एवं 01 नीम) काटे जायेंगे एवं उनके एवज में 50 अतिरिक्त पेड़ लगाये जाने का प्रावधान वृक्षारोपण में किया गया है। खदान के उत्तर-पूर्व दिशा में 100 मीटर पर कच्चा रोड़ है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह कच्चा रोड़ उनके व आसपास के क्षेत्र में कार्यरत अन्य खदानों का पहुंच मार्ग है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा खेतों में फसल के खराब होने का मुद्दा उठाया था जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा संरक्षण हेतु खनन कार्य हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी, विंड ब्रेकिंग वॉल बनाई जायेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा तथा गांव की सड़क निर्माण निर्माण हेतु प्रस्ताव सी.ई.आर. में शामिल किया गया तथा चारागाह का विकास एवं वृक्षारोपण संबंधी कार्य ई.एम.पी. में प्रस्तावित किया गया है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का नियमानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे हैं अथवा नहीं। परियोजना परीक्षण में पाया गया कि इस खदान का विवरण नवीन अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्ज नहीं हैं, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 20/12/21 में उल्लेखित है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 21,850 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कंपीटल राशि रु. 06.95 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.76 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.0 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम बेरजा गाँव की सड़क निर्माण निर्माण हेतु	1,00,000 / –
ईएमपी में वृक्षारोपण (फल और चारा देने वाले पौधों का वितरण) से संबंधित कार्य शामिल है।	
चराई भूमि विकास के लिए रु 50,000 ईएमपी में शामिल है।	
<b>योग</b>	<b>1,00,000 / –</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1280 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	नीम, सिस्सू, कंरज, सीताफल, चिरौल, आम, खमेर, जंगल जलेबी, अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	470
2.	परिवहन मार्ग तक (पौधों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सिस्सू, बरगद, कनकचंपा, पुत्रंजीव, कदम, उपलब्ध स्थानीय प्रजातियाँ।	120
	ग्राम बेरजा के शासकीय विद्यालय	कदम्ब, अमलतास, अशोक, नीम, कचनार गुलमोहर इत्यादि।	20
	बेरजा ग्रामवासीयो में वितरण	मुनगा, नींबू, अमरुद, मौसम्मी, औषधीयुक्त प्रजातियाँ।	670
		<b>कुल</b>	<b>1280</b>



**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

**4. Case No 8777/2021 Shri Vishwajeet Singh S/o Shri Mahipal Singh Baghel, M.G. Road, Sonkutchh, Dist. Dewas, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.75 ha. (50009 Cum per annum) (Khasra No. 762), Village - Arniya Jagir, Tehsil - Sonkatch, Dist. Dewas (MP).**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 762), Village - Arniya Jagir, Tehsil - Sonkatch, Dist. Dewas (MP) 3.75 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 528वीं दिनांक 23/11/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री विश्वजीत सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राहुल यादव, मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम हरियाणा उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा इस प्रकरण में पूर्व उनके द्वारा पर्यावरणीय सलाहकार मेसर्स ग्लोबल मैनेजमेंट एण्ड इंजीनियरिंग कंसलटेंट्स इंटरनेशनल, जयपुर को अधिकृत किया गया था, जिनकी नेबिट एकीकरण सर्टिफिकेट की वैधता दिनांक 07/11/22 को समाप्त हो चुकी थी और मेरे प्रोजेक्ट में बिलंब न हो, इस दृष्टिकोण से मेरे द्वारा मेसर्स ग्लोबल मैनेजमेंट एण्ड इंजीनियरिंग कंसलटेंट्स इंटरनेशनल, जयपुर के स्थान पर मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम हरियाणा से अनुबंध किया गया है, जिसकी सूचना सिया एवं सेक को दिनांक 30/11/22 को ई-मेल कर दिया गया है, जो प्रस्तुतीकरण में दिया गया है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान पहाड़ी क्षेत्र में आवंटित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि ई.आई.ए. के साथ खदान के को-आर्डिनेट के साथ जो गूगल इमेज अपलोड की गई है, वह टॉर के समय प्रस्तुत गूगल इमेज से भिन्न है, क्योंकि टॉर के समय जो इमेज अपलोड की गई थी उसमें पूर्व एवं उत्तर दिशा में स्थित रोड़ लगभग 24-25 मीटर की दूरी पर थी जबकि ई.आई.ए. के साथ अपलोड इमेज में यह रोड़ अब खनन क्षेत्र के अंदर आ रही है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि नये परिवेश पोर्टल पर कोआर्डिनेट अपलोड करते समय पूर्व दिशा में एक कोआर्डिनेट गलत अपलोड हो गया था जिस कारण गूगल इमेज अलग प्रतीत होती है किंतु ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं प्रस्तुतीकरण में वही इमेज अपलोड है जो टॉर के समय दिखाई गई थी अतः इसे मान्य किये जाने का अनुरोध है। खदान के पूर्वी दिशा में 12 से 40 मीटर पर तथा उत्तर दिशा में 85 मीटर पर आबादी के संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्वी एवं उत्तर दिशा में जो मकान हैं वह आस-पास की खदानों के साईट आफिस तथा खदानों में कार्य करने वाले मजदूरों के अस्थायी निवास हैं तथा ग्रामीण आबादी पश्चिम दिशा में है जो आवंटित खनन क्षेत्र से 270 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसी प्रकार

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

आवंटित खनन् क्षेत्र के बीच में एक सिविल संरचना है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पुराने केशर का हापर मशीन है जो खनन् करते समय पुर्नस्थापित करली जायेगी । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन् क्षेत्र की पूर्व दिशा में 25 मीटर तथा उत्तर दिशा में 40 मीटर पर पक्का रोड़ निकल रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह दोनो ग्रामीण सड़क है तथा इनके संरक्षण हेतु पूर्व दिशा में 25 मीटर का तथा उत्तर दिशा में 10 मीटर का सेटबैक एम.एम.आर. 1996 के अनुसार प्रस्तुतीकरण में दिया गया है तथा वृक्षारोपण योजना में इन रोड़ के समीप स्थित खनन् क्षेत्र में 03 पक्तियों में वृक्षारोपण प्रस्तावित किया गया है ।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण में पाया गया कि आवंटित खनन् क्षेत्र का कुछ भाग खुदा हुआ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनको इसी स्थिति यह स्थल आवंटित हुआ है तथा माईन पिट सरफेस मैप पर दिखाया गया है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई तथा सुझाव के रूप में वृक्षारोपण तथा शिक्षण संस्थान / ग्राम पंचायत में पेयजल / विद्युत व्यवस्था / शौचालय की व्यवस्था किये जाने के सुझाव प्राप्त हुए थे, जिनको ई.एम.पी./सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, देवास के पेज नं.-39 के सरल क्रमांक-12 पर दर्ज है । प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का निमनानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे हैं अथवा नहीं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन – 50,009 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 11.90 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03,82 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
सोनकच्छ पी.एच.सी. में चिकित्सीय उपकरण बाबत	1,00,000
वन्य प्राणी अभ्यारण में वन जीव हेतु पानी की व्यवस्था (सोसर)	1,00,000
<b>योग</b>	<b>2,00,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4626 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	नीम, खमेर, सिरस, चिरोल, करंज, बबूल, कचनार, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1500
2.	गैर खनन क्षेत्र में 03 पंक्तियों में वृक्षारोपण	खमेर, चिरोल, करंज, महुआ, सेजा, पुत्रंजीवा, नीम, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	250
4.	परिवहन मार्ग तक (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	खमेर, चिरोल, पुत्रंजीवा, करंज, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
5.	ग्रामवासियों में वितरण हेतु (ग्राम पंचायत अरनिया जागीर)	नीम, आम, कटहल, मुनगा, आँवला, हर्रा, सीताफल, महुआ, नींबू, अचार, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1575
6.	ग्राम पंचायत अरनिया के प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी एवं ग्राम पंचायत परिसर में	नीम, मोलश्री, कदम, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	301
<b>कुल</b>			<b>4626</b>

**5. Case No 9417/2022 Shri Surendra Singh Parmar S/o Shri Laxminarayan Parmar R/o Geetanjali Bhavan Ke Pass, Naya Aampura, District Morena (MP)-476001, Prior Environment Clearance for Stone & M-Sand Quarry in an area of 3.632 ha. (Stone 147000 Cum per year and M-Sand 49000 Cum per year) (Khasra No. 2188, 2189, 2190, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2201/2/1, 2201/1, 2202), Village - Bilheti, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP)**

This is case of Stone & M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2188, 2189, 2190, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2201/2/1, 2201/1, 2202), Village - Bilheti, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP) 3.632 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुरेन्द्र सिंह परमार (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ. प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खजिन शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 29294 दिनांक 12/09/2020 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 260 मीटर पर नहर तथा दक्षिण दिशा में 245 मीटर पर कच्चा रोड़ है अतः इनकी संरक्षण

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे। प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा) जिला भिण्ड ने एकल पत्र क्रमांक 29294 दिनांक 12/09/22 में उल्लेखित किया है कि यह खदान स्वीकृति उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जावेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पूर्व दिशा में 260 मीटर पर नहर तथा दक्षिण दिशा में 245 मीटर पर कच्चा रोड़ है अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे।
2. प्रस्तावित खदान के 2.5 किलोमीटर की परिधि में कार्यरत सभी खदानों का क्यूमिलेटिव इंपैक्ट असेसमेंट किया जाये तथा ई.आई.ए. रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया जाये।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
6. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज तथा कृषि आया क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
8. परियोजना प्रस्तावक अपनी वेबसाइट बनाये, जिसमें ई.सी. प्राप्ति के पश्चात् पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तथा वृक्षारोपण इत्यादि के संदर्भ में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन उसमें अपलोड करेंगा। परियोजना प्रस्तावक वेबसाइट बनाये जाने संबंधी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट साथ प्रस्तुत करें।

**6. Case No 9424/2022 Shri Abdul Khan, R/o H.No. 130, Ward No. 8, Near Mazzid, Old Bus stand, Dr. Zakir Husain Ward, Tehsil Banda, District Sagar (MP)-470335, Prior Environment Clearance for Flag Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (1700 Cum per year) (Khasra No. 118), Village - Bharatpur, Tehsil - Shahgarh, Dist. Sagar (MP)**

This is case of Flag Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 118), Village - Bharatpur, Tehsil - Shahgarh,

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

Dist. Sagar (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री अब्दुल खान (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाय गया कि कार्यालय कलेक्टर (खजिन शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1057 दिनांक 05/07/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 08 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा से लगा हुआ तथा पश्चिम दिशा में 40 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड़ निकल रहा है, अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे। प्रश्नाधीन खदान में माइंडआउट पिट दिखा रहा है, जिसमें पानी भरा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 2012 में इस खदान में खनन कार्य किया गया है अतः उसके पश्चात् यह खदान 2022 में यह खदान इसी स्थिति में आवंटित हुई तथा पिट अनुमोदित खनन योजना में दर्शित है। चूंकि आवंटित खनन क्षेत्र में पानी भरा है अतः माइन वॉटर डिस्चार्ज प्लान तथा पिट में भरे हुए पानी के कारण आस-पास के भूगर्भीय जल स्तर पर पड़े प्रभाव का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। इसी प्रकार ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान यह जानकारी भी एकत्रित की जाये कि इस माइंड आऊट पिट के कारण इस क्षेत्र में कोई दुर्घटना (जन/पशु हानि) तो नहीं हुई तथा विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन के दौरान ब्लस्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा इस खदान का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, सागर के पेज नं.-29 के सरल क्रमांक-19 पर दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के उत्तर दिशा से लगा हुआ तथा पश्चिम दिशा में 40 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड़ निकल रहा है, अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे।
2. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. आवंटित खनन क्षेत्र में पानी भरा है अतः माइन वॉटर डिस्चार्ज प्लान तथा पिट में भरे हुए पानी के कारण आस-पास के भूगर्भीय जल स्तर पर पड़े प्रभाव का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
4. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान यह जानकारी भी एकत्रित की जाये कि इस माइंड आऊट पिट के कारण इस क्षेत्र में कोई दुर्घटना (जन/पशु हानि) तो नहीं हुई तथा विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
5. प्रस्तावित खदान के 2.5 किलोमीटर की परिधि में कार्यरत सभी खदानों का क्यूमिलेटिव इंपैक्ट असेसमेंट किया जाये तथा ई.आई.ए. रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया जाये।

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

6. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आंवटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
7. आंवटित खदान क्षेत्र पूर्ण रूप से पथरीला है अतः प्रस्तावित वृक्षारोपण योजना अनुसार नक्शे पर स्वाइल प्रोफाइल के साथ वन विभाग से चर्चा कर यह बताया जाये कि वृक्षारोपण कार्य किस जगह किया जायेगा ।
8. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
9. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
10. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
11. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

**7. Case No 9415/2022 Prabha Bagri, R/o Village & Post Vashuda, District Satna (MP)-485446 Prior Environment Clearance for Stone & M-Sand Quarry in an area of 3.90 ha. (Stone-14,935 Cum per year & M-Sand- 18065 Cum per year) (Khasra No. 46/1), Village - Jhali, Tehsil - Kothi, Dist. Satna (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 46/1), Village - Jhali, Tehsil - Kothi, Dist. Satna (MP) 3.90 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रभा बागरी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए । प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1332 दिनांक 15/07/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में 70 मीटर पर 03 शेड्स, दक्षिण दिशा में 50 मीटर की दूरी पर जल रोकने की संरचना, दक्षिण दिशा में 250 मीटर पर पक्की रोड़, उत्तर-पूर्व दिशा में 85 मीटर की दूरी पर अस्थायी संरचना (ऐसा प्रतीत होता है अनाज रखने के लिए अस्थायी स्टॉकयार्ड है) तथा पश्चिम दिशा में 490 मीटर पर आबादी है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि दक्षिण दिशा में जल रोकने हेतु बनवाई गई अस्थायी जल संरचना हेतु गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रावधान किया गया है । एम-सेंड प्लांट बी.एस.के. तकनीक पर आधारित है तथा जल प्रदूषण नियंत्रण हेतु दूषित जल का पुर्नचक्रण सेटलिंग

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

टैंक के माध्यम से किया जायेगा तथा स्जल की ड्राइंग स्जल ड्राइंगबेड के माध्यम से कर स्लज का अपवहन खनन् क्षेत्र में किया जायेगा । कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा जारी एकल प्रमाण-पत्र 1332 दिनांक 15/07/2022 के अनुसार प्रस्तावित उत्खनिपट्टे आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल किया जावेगा । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन – 14,935 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष एवं एम-सेंड – 18,065 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.04 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.30 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.80 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्रामझाली के प्राथमिक स्वस्थ केन्द्र में आवश्यकतानुसार सामग्री का वितरण किया जायेगा ।	80,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन मे	कस्टार, शीशम, बबूल, खैर, चिरौल, आवंला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1000
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	सिस्सू, नीम, चिरौल, केसिया, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	150
3	झाली ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, सीताफल मुनगा, करौंदा, अमरुद इत्यादि ।	1180
4.	शासकीय विद्यालय में	अशोक, नीम, कचनार इत्यादि ।	20
कुल			4700

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

**8. Case No 9391/2022 Shri Deepak Sharma, Ward No. 15, Samta Nagar, Post - Pendra Road, Dist. Bilaspur, Chhatisgarh - 495117, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.011 ha. (8,000 Cum per annum) (Khasra No. 745), Village - Doniya, Tehsil - Pushprajgarh, Dist. Anuppur (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 745), Village - Doniya, Tehsil - Pushprajgarh, Dist. Anuppur (MP) 1.011 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण आज सेक की 605वीं बैठक दिनांक 10/11/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

प्रकरण आज बैठक क्रमांक 608वीं दिनांक 08/12/22 एवं 605वीं दिनांक 10/11/22 प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक को 02 प्रस्तुतीकरण के अवसर दिये जाने के बाद भी परियोजना प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित नहीं और न ही उनके द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर समय चाहा गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि परियोजना प्रस्तावक इस प्रोजेक्ट में पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी कार्यवाही करने में रुचि नहीं ली जा रही है। अतः इस प्रकरण को नस्तीबद्ध (Delist) करते हुए सिया को आगामी कार्यवाही हेतु भेजा जाना अनुशंसित है।

**9. Case No 9430/2022 Shri Dhyanendra Singh S/o Shri Rakesh Singh R/o Village Pur, Post Pidora, District Bhind (MP)-477001, Prior Environment Clearance for Soil Quarry in an area of 1.00 ha. (3000 Cum per year) (Khasra No. 223, 226), Village - Pur, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP)**

This is case of Soil Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 223, 226), Village - Pur, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री ध्यानेंद्र सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 6379 दिनांक 14/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में



## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 5.00 हे. से कम होने के कारण प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के उत्तर दिशा में 120 मीटर पर तथा पूर्व दिशा में 80 मीटर पर पक्का रोड़ है। इसी प्रकार खदान के उत्तर-पूर्व दिशा में 260 मीटर पर आबादी है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन क्षेत्र न्यूनतम 01 हे. का होने की शर्त के कारण 02 भागों में स्वीकृत है तथा खनन ड्रिलिंग तथा ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन की अधिकतम गहराई 02 मीटर है तथा आवंटित खनन क्षेत्र में क्लिन लगाई जाना प्रस्तावित नहीं है, क्योंकि खदान के 02 भागों के बीच में स्थापित क्लिन में ईट बनाई जायेंगी। प्रभारी अधिकारी(खनिज शाखा) जिला-भिण्ड द्वारा एकल पत्र क्र०. 6377 दिनांक 14/09/22 द्वारा उल्लेख किया है, कि उक्त खदान स्वीकृति उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्वाईल – 3,000 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 10.51 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04,38 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम पुर के ऑगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के बैठने के लिए 8 टेबल- कुर्सी तथा ऑगनवाड़ी रगाई-पुताई का कार्य कराया जायेगा।	40,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन मे	सिस्सू, नीम, बरगद, खमैर, चिरौल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	400
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	100

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

3	पुर ग्रामवासियों में वितरण हेत	नीबू, मुनगा, आंवला, कटहल, आम, अमरुद ।	680
4.	शासकीय विद्यालय पुर, में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, गुलमोहर इत्यादि ।	20
<b>कुल</b>			<b>1200</b>

**10. Case No 9431/2022 Shri Maan Singh S/o Shri Dhurv Singh Bhadoriya, R/o Village & Post Kanabar, Chari, District Bhind (MP)-477331, Prior Environment Clearance for Soil Quarry in an area of 1.00 ha. (1750 Cum per year) (Khasra No. 1000,1001, 1004, 1005), Village - Dhochra, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP)**

This is case of Soil Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1000,1001, 1004, 1005), Village - Dhochra, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री मान सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए । प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 6349 दिनांक 09/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में 470 मीटर पर आबादी, 550 मीटर पर पक्का रोड़ तथा पूर्व दिशा में 35 मीटर पर कच्चा रोड़ है । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है, खनन अधिकतम 02 मीटर तक किया जायेगा तथा क्लिन की स्थापना लीज क्षेत्र के अंदर नहीं की जायेगी । प्रभारी अधिकारी(खनिज शाखा) जिला-भिण्ड द्वारा एकल पत्र क्र0. 6349 दिनांक 09/09/22 द्वारा उल्लेख किया है, कि उक्त खदान स्वीकृति उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्वाईल – 1,750 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.65 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.52 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम ढोचरा के प्रथमिक पाठाला में बच्चों के बैठने के लिए 8 टेबल- कुर्सी तथा रगाई-पुताई का कार्य कराया जायेगा।	40,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	सिस्सू, नीम, बरगद, खमैर, चिरौल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	400
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	100
3	ढोचरा ग्रामवासियों में वितरण हेतु	नीबू, मुनगा, आंवला, कटहल, आम, अमरुद।	680
4.	शासकीय विद्यालय ढोचरा, में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, गुलमोहर इत्यादि।	20
कुल			1200

### **11. Case No 9418/2022 M/s Shree Metals, Patner Shri Parvesh Singh Tahkur, R/o Lalbag, Tehsil & District Chhindwara (MP)-480001 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.60 ha. (28500 Cum per year) (Khasra No. 54/8), Village - Hsanpur, Tehsil - Chourai, Dist. Chhindwara (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 54/8), Village - Hsanpur, Tehsil - Chourai, Dist. Chhindwara (MP) 2.60 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रवेश ठाकुर (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1338

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

दिनांक 19/10/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 4.80 हे. होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में 50 मीटर तथा पूर्वी दिशा में 110 मीटर पर प्राकृतिक नाला तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में 155 मीटर पर जलाशय है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलाशय के संरक्षण हेतु गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किए गए हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-39 के सरल क्रमांक-121 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन — 28,500 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 20.58 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.77 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.80 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम डुंगरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल बेड 01 एवं ECG मशीन	80,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, खमेर, सीताफल एवं अन्य प्रजातियाँ	1000
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कटंग बांस, करंज एवं अन्य प्रजातियाँ	1600
3	गाँव में वितरण	आम, कटहल, सीताफल, निम्बू एवं अन्य प्रजातियाँ	1000
<b>कुल</b>			<b>3600</b>

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

- 12. Case No 9423/2022 M/s Shreeji Infrastructure India Pvt. Ltd., Shri Himanshu Kalraiya, 1180, University Road, South civil Lines, Pchpedi, Jabalpur (MP)-482001, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.710 ha. (1,50,000 Cum per year) (Khasra No. 584), Village - Bijegaon, Tehsil - Narayanganj, Dist. Mandla (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 584), Village - Bijegaon, Tehsil - Narayanganj, Dist. Mandla (MP) 2.71 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री हिमांशु कलरिया (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1564 दिनांक 01/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के समय परिवेश पोर्टल पर अपलोड गूगल इमेज तथा रिकॉर्डेड फॉरेस्ट ऐरिया मेप के अनुसार वन क्षेत्र लगभग लगभग 240 मीटर की दूरी पर आ रहा है जबकि प्रकरण के साथ अपलोडिड एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 1564 दिनांक 01/11/2022 वन क्षेत्र 250 मीटर के अंदर नहीं है। उपरोक्त स्थिति में समिति की अनुशंसा है कि चूंकि परिवेश पर अपलोडेड गूगल इमेज अनुसार आवंटित खनन क्षेत्र वन क्षेत्र से लगभग 240 मीटर की दूरी पर आ रहा है अतः संबंधित वन मण्डलाधिकारी से इस स्थिति स्पष्ट करने बावत् पत्र लिखा जाये। इसी प्रकार ऑन लाईन अपलोडिड गूगल इमेज तथा माईन प्लान अक्षांश-देशांश अनुसार इमेज में 10 से 12 मीटर का अंतर आ रहा है जिस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक को स्थिति स्पष्ट करने हेतु निर्देशित किया गया है।

- 13. Case No 9434/2022 Shri Vishnu Singh Gumasta, Owner, R/o village Khirkhiri, Tehsil Nainpur, District Mandla (MP)-481776, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (6002 Cum per year) (Khasra No. 105/1), Village - Tuiyapani, Tehsil - Nainpur, Dist. Mandla (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 105/1), Village - Tuiyapani, Tehsil - Nainpur, Dist. Mandla (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री विष्णु गुकासता (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1562 दिनांक 01/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में 98 मीटर पर कच्चा रोड़, पश्चिम दिशा में 285 मीटर पर पक्का रोड़, पूर्वी दिशा में 190 मीटर पर तथा उत्तर-पश्चिम दिशा में 340 मीटर पर नहर है। इसी प्रकार आवंटित खनन क्षेत्र के पश्चिम दिशा में 50 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक नाला है जिसके संरक्षण हेतु परियोजनाप प्रस्तावक ने बताया कि गारलेंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं। जिला मण्डला की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट दिनांक 20/10/22 को अनुमोदित हुई है तथा उक्त उत्खनिपट्टा की सैद्धांतिक मंजूरी डीएसआर को अनुमोदन हेतु सिया कार्यालय को प्रेषित करने के बाद दिनांक 14/09/22 को प्रदाय की गई है। उक्त स्वीकृत सैद्धांतिक मंजूरी आदेश के अनुक्रम में स्वीकृत उत्खनिपट्टा खदान की जानकारी की जानकारी का समावेश जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के चेप्टर-9 में कर लिया गया है। समिति ने पाया कि चर्चा उपरोक्तानुसार उत्खनिपट्टा खदान की जानकारी का समावेश जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के चेप्टर-9 में कर लिया गया है किंतु उसका अनुमोदन अभी नहीं हुआ है, अतः समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 6,002 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.46 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.25 लाख प्रति वर्ष।
5. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम पंचायत खिरखिरी उप स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल बेड 01	50,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, खमेर, सीताफल एवं अन्य प्रजातियाँ	600
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कटंग बांस, करंज एवं अन्य प्रजातियाँ	500
3	गाँव में वितरण	आम, कटहल, सीताफल, निम्बू एवं अन्य प्रजातियाँ।	100
<b>कुल</b>			<b>1200</b>

**14. Case No 9433/2022 Shri Rajesh Kumar Mittal, Owner R/o 109, Dashrath Nagar, District Mandsaur (MP)-458001, Prior Environment Clearance for Shale Stone Quarry in an area of 1.350 ha. (2400 MTPA) (Khasra No. 213/1), Village - Daulatpura, Tehsil - Mandsaur, Dist. Mandsaur (MP)**

This is case of Shale Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 213/1), Village - Daulatpura, Tehsil - Mandsaur, Dist. Mandsaur (MP) 1.350 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजेश कुमार मित्तल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1816 दिनांक 16/08/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 1.977 हे. होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के उत्तर दिशा में 10 मीटर पर रोड़, पूर्व दिशा में 150 मीटर पर एक मकान तथा 445 मीटर पर राष्ट्रीय राजमार्ग है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन के दौरान ब्लास्टिंग नहीं की जावेगी तथा उत्तर दिशा में 40 मीटर का सेटबैक रोड़ के कारण प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 04 पेड़ लगे हैं जो काटे जायेंगे तथा उसके एवज में 40 अतिरिक्त प्रस्ताव वृक्षारोपण परियोजना में दिया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-73 के सरल क्रमांक-11 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता शेल स्टोन – 2,400 मैट्रिक टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.59 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.15 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
शासकीय प्राथमिक स्कूल में मरम्मत और पुताई का कार्य किया जायेगा यह कार्य भू प्रवेश मिलने के पश्चात 1 साल के अंदर यह कार्य किया जायेगा।	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1700 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	300
3	ग्राम आदलपुर के स्कूल, पंचायत व आंगनवाड़ी के प्रांगण में	सीताफल, आवलौ, अमरुद, ग्राफिटिंग मुनगा, पपीता, निम्बू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	900
कुल			1700

**15. Case No 9420/2022 Shri Ajay Kumar Jain, Owner R/o Behind Manjeet Dhaba, Adarsh Nagar, Rajakhedi Makrania, District sagar (MP) Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (5626 Cum per year) (Khasra No. 78), Village - Majhaguva, Tehsil - Sagar, Dist. Sagar (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 78), Village - Majhaguva, Tehsil - Sagar, Dist. Sagar (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.



## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

आज दिनांक 06/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री अजय कुमार जैन (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1294 दिनांक 08/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 5.00 हे. होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 130 मीटर पर पक्का रोड़ तथा पश्चिम दिशा में 35 मीटर पर प्राकृतिक नाला जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 15 मीटर का सेटबैक एमएमआर, 1996 अनुसार प्रस्तुतीकरण में दिया गया है। इसी प्रकार उत्तर-पूर्व दिशा में 16 मीटर पर एक शेड एवं पूर्व दिशा में 95 मीटर पर एक मकान है तथा खदान के उत्तर-पूर्व दिशा में 170 मीटर पर आबादी है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस प्रकरण में अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जाना अनुमोदित है तथा ब्लास्टिंग नहीं की जायेगी। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-29 के सरल क्रमांक-22 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 5,626 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.53 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.19 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
शासकीय प्राथमिक स्कूल में एक झूला एवं एक फिसल पट्टी को लगाया जाएगा, और रोड़ से लेकर गेट तक सीमेंटे 10 मीटर रोड़ का निर्माण कार्य किया जाएगा और स्कूल के ग्राउंड की मरुम से लेवल का कार्य किया जाएगा।	1,20,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800

**608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 06 दिसम्बर, 2022**

2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	करंज, कदम , चिरोल, जंगल जलेबी , एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	300
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, आवलाँ, अमरुद, ग्राफ़िंग मुनगा, पपीता ,निम्बू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	1300
कुल			2400

**16. Case No 7908/2020 M/s S.R.S.Star Mining Industries Pvt. Ltd, 46, SHanti Vihar Colony, Dist. Gwalior, MP - 474011 Ammendment in Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.90 ha. (200020 cum per annum) (Khasra No. 2351, 2352, 2353), Village - Kathwahaji, Tehsil - Gohad, Dist. Bhind (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed (Khasra No. 2351, 2352, 2353), Village - Kathwahaji, Tehsil - Gohad, Dist. Bhind (MP) 4.90 ha. The project requires amendment in EC.

PP has submitted a copy of approved Mining Plan, DSR report, information in the lease's within 500 meters radius around the site and other requisite information in the prescribed format duly verified in the Collector Office (Pramanpatra) letter no. 1037 dated: 03/11/20 has reported that there are no more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine.

The case was presented by the PP and their consultant in 468<sup>th</sup> SEAC meeting dated 02/12/20 wherein it was observed by the committee that it's a case of Stone mining. During presentation it was observed by committee that a road is in exist ace at a distance of 160 meters. The proposed depth of mining is approx. 33 meters for which PP shall provide commitment that available space approx. 29,000 sq. meters is sufficient for deployment of manpower and machinery. After presentation the committee asked to submit following details:

- Commitment of PP that available space approx. 29,000 sq. meters is sufficient for deployment of manpower and machinery.
- Top soil management plan.
- Commitment of PP for transportation of mineral with 40 ton capacity trucks to reduce the number of trips.

PP has submitted the response of above quarries same date vide letter dated 12.12.2020, which was placed before the committee and the same found satisfactory. The EMP and

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

other submissions made by the PP were found to be satisfactory and acceptable, hence committee decided to recommend the case for grant of prior EC subject to the following special conditions in addition to the standard conditions at annexure 'A':

1. Production of Stone as per mine plan with quantity not exceeding 2,00,020 cum/year.
2. A budgetary provision for Environmental management Plan of Rs. 16.31 Lakh as capital and Rs 10.98 Lakh/year as recurring are proposed by PP.

परियोजना प्रस्तावक ने पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में संशोधन बावत् फार्म-4 ऑन लाईन प्रस्तुत किया है जिसमें पूर्व में दिनांक 06/01/21 को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में पिट की गहराई (Depth of Pit) 20 मीटर के स्थान पर अनुमोदित खनन योजना अनुसार करने का अनुरोध किया गया है ।

प्रकरण पूर्व में सेक की 602वीं बैठक दिनांक 03/11/22 को प्रस्तुत हुआ था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री रामनिवास शर्मा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., नोयडा, उ.प्र.उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि दिनांक 06/01/21 को जारी पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में पिट की गहराई 20 मीटर तक प्रतिबंधित की गई है जबकि अनुमोदित माइन प्लॉन में पिट की गहराई 50 मीटर तक अनुमोदित है । अतः वे पिट की गहराई स्वीकृत खनन योजना के अनुरूप करने बावत् फार्म-4 में संशोधन बावत् आवेदन किया गया है ।

प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि आवेदक ने निर्धारित प्रपत्र फार्म-4 में सरल क्रमांक-06-1 की जानकारी अपूर्ण है, अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार पुनरीक्षित फार्म-4 एवं जानकारीयों प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये ताकि प्रकरण पर निर्णय लिया जा सके :-

1. पूर्व की पर्यावरणीय अभिस्वीकृति दिनांक 23/5/22 को जारी हो गई थी । तत्पश्चात् पर्यावरणीय संरक्षण एवं सीईआर के तहत किए गए कार्यों का व्यौरा दस्तावेजी प्रमाण के साथ प्रस्तुत करें ।
2. पर्यावरणीय अभिस्वीकृति दिनांक 06/01/21 के परिपालन में नियमानुसार प्रस्तुत छःमाही प्रतिवेदन की प्रति, क्योंकि सिया की बेवसाइट पर परियोजना प्रस्ताक द्वारा प्रस्तुत छःमाही पालन प्रतिवेदन का विवरण दर्ज नहीं है ।
3. पर्यावरणीय अभिस्वीकृति दिनांक 06/01/21 के संदर्भ में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त सी.टी.ई./सी.टी.ओ. की जानकारी प्रस्तुत करें, क्योंकि फार्म-4 के सरल क्रमांक-06-1 में सी.टी.ओ. की जानकारी में "नो" लिखा है । यदि अभी तक सी.टी.ई./सी.टी.ओ. प्राप्त नहीं करने का कारण स्पष्ट करें ।

समिति द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर ऑनलाईन प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 07/11/2022 को ए.डी.एस. जारी किया गया । उक्त ए.डी.एस. के संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने दिनांक 25/11/2022 को परिवेश पोर्टल पर ऑनलाईन जानकारी प्रस्तुत कर दी गई है ।

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

प्रकरण को आज दिनांक 06/12/22 को समिति के समक्ष विचारार्थ रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री रामनिवास शर्मा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि दिनांक 03/11/22 को समिति द्वारा दिए गए निर्देशानुसार उनके द्वारा सी.एस.आर के तहत 52 स्कूली बच्चों को बैग वितरित किये गये हैं, जिसके प्रमाण स्वरूप उनके द्वारा फोटोग्राफ एवं प्राध्यापक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है तथा खनन स्थल के चारों ओर फेंसिंग, गारलेन ड्रेन तथा वृक्षारोपण का कार्य किया गया है, जिसके प्रमाण स्वरूप फोटोग्राफ एवं बिल परिवेश पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी सम्मति की प्रति भी ऑनलाईन अपलोड कर दी गई है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा छ:माही पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन सिया के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि दिनांक 06/01/21 को जारी पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में पिट की गहराई 20 मीटर तक प्रतिबंधित की गई है जबकि अनुमोदित माइन प्लॉन में पिट की गहराई 50 मीटर तक अनुमोदित है। अतः वे पिट की गहराई स्वीकृत खनन योजना के अनुरूप करने बावत् फार्म-4 में संशोधन बावत् आवेदन किया गया है।

समिति ने पाया कि यह प्रकरण पूर्व में सेक की 468वीं बैठक दिनांक 02/12/20 में प्रस्तुत हुआ था जिसमें परियोजना प्रस्तावक ने माइनिंग की गहराई 33 मीटर के आधार पर पिट वॉटम स्पेस 29,000 वर्ग मीटर बताई थी जिसको मेन पावर एवं मशीनरी के अनुसार उपयुक्त पाया गया था। समिति ने इस प्रकरण की ई.सी. हेतु ऑन लाईन अपलोड पुराने दस्तावेजों का अवलोकन किया एवं पाया कि परियोजना प्रस्तावक ने फार्म-2 के बिंदु क्रमांक 14.6 में ग्राउण्ड वॉटर लेवल 35 से 40 मीटर दर्शाया है तथा फार्म-2 के बिंदु क्रमांक 35 (11) में प्रस्तावित गहराई 37 मीटर दर्शायी है। संभवतः ग्राउण्ड इंटर सेक्सन को ध्यान में रखते हुए समिति ने 33 मीटर की गहराई तक खनन अनुशासित किया होगा तथा 02 मीटर का केंपिंग रखा होगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि त्रुटिवश फार्म-2 के बिंदु क्रमांक 14.6 में ग्राउण्ड वॉटर लेवल 35 से 40 मीटर अंकित हो गया था जबकि वास्तविक स्थिति में 60 से 65 मीटर तक है। समिति ने चर्चा अनुसार निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक वर्तमान में ग्राउण्ड वॉटर लेवल 60 से 65 मीटर तक होने का कोई अधिकृत प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके अतः परियोजना प्रस्तावक परियोजना स्थल के आस-पास ग्राउण्ड वॉटर लेवल के संदर्भ में सेंट्रल ग्राउण्ड वॉटर बोर्ड / पी.एच.ई. विभाग के सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र 15 दिवस में प्रस्तुत करे ताकि प्रकरण पर निर्णय लिया जा सके।

(चंद्र मोहन ठाकुर)  
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)  
अध्यक्ष

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### **Annexure- 'B'**

#### **Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\***

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.

8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be  $1/4^{\text{th}}$  or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - f. Lease owner's Name, Contact details etc.



## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

- g. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - h. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - i. Minable Potential of sand mine.
  - j. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - k. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
    - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
    - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
    - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
    - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
    - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
    - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
    - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
    - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
    - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
  31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
  33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
  34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
  35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
  36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
  38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।  
**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम्	गोलाई न्यूनतम्
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

### नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

### Annexure- 'C'

#### Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries\*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

- a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
  15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
  16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
  17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
  18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
  19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
  20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
  21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
  22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
  23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
  24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCC's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
  25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
  26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    - l. Lease owner's Name, Contact details etc.
    - m. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    - n. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    - o. Minalable Potential of sand mine.
    - p. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    - q. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
  27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माइनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साइड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### **Annexure- 'D'**

#### **General conditions applicable for the granting of TOR**

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2<sup>nd</sup> August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
  - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
  - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
  - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
  - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
  - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
  - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.

## 608वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 06 दिसम्बर, 2022

- ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.
  - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
  - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
  - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

**FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA, following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.**

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabha of the villages in the area where project is proposed shall be obtained